मध द्वीप

सन्दर्भ:

- हाल ही में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के पश्चिमी क्षेत्र की बेंच ने मध द्वीप में पांच स्टूडियो के विध्वंस पर रोक को रद्द कर दिया, जबकि स्टूडियो संचालकों द्वारा दायर एक याचिका को खारिज करते हुए उन्हें आगे के संचालन से रोक दिया।

मध द्वीप:

- अरब सागर पश्चिम में मध द्वीप और पूर्व में मलाड खाड़ी को जोड़ता है।
- एरंगेल बीच, दाना पानी बीच, मार्वे बीच और अक्सा बीच जैसे कई समुद्र तट हैं, जो मध द्वीप के बहुत करीब हैं।
- यह क्षेत्र एक ग्रामीण क्षेत्र है जो मुख्य रूप से कोली, मराठी, पूर्वी भारतीय, मध गांव में रोमन कैथोलिक और साथ ही अन्य समुदायों के लोगों द्वारा बसा हुआ है।
- **मध किला:** मध किला उत्तरी मुंबई, भारत में मध द्वीप पर स्थित एक छोटा किला है।
- इसका निर्माण पुर्तगालियों द्वारा पुर्तगालियों के कब्जे वाले भारत में किया गया था।
- उन्होंने इसे मराठा साम्राज्य के खिलाफ युद्ध के दौरान खो दिया जब फरवरी 1739 में मराठा साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया।
- द्वीप साल्सेट ने अंग्रेजों में 1774, थाना किला , किला वर्सोवा और करंजा के द्वीप किले पर कब्जा कर लिया।
- पिछले कुछ वर्षों में मध मछली पकड़ने वाले गांवों के एक समूह से एक प्रमुख आवासीय

एनजीटी के बारे में:

- इसकी स्थापना 2010 में एनजीटी अधिनियम 2010 के तहत की गई थी।
- स्थितिनिकाय। वैधानिक -
- इसके गठन का उद्देश्य निम्न संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटाना है:
  - पर्यावरण संरक्षण।
  - वनों का संरक्षण।
  - पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार के प्रवर्तन सहित अन्य प्राकृतिक संसाधन।
  - यह व्यक्तियों और संपत्ति के नुकसान के लिए राहत और मुआवजा देता है और इससे संबंधित या प्रासंगिक मामलों के लिए।
- एनजीटी को आवेदनों या अपीलों को दाखिल करने के 6 महीने के भीतर अंतिम रूप से निपटान करने का अधिकार है।
- नई दिल्ली ट्रिब्यूनल की बैठक का मुख्य स्थान है और भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई ट्रिब्यूनल की बैठक के अन्य चार स्थान होंगे।
- नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 में उल्लिखित

और छुट्टी गंतव्य के रूप में विकसित हुआ है।
- इसमें एयरफोर्स और नेवल स्टेशन भी हैं।
- 'एरांगल' मध द्वीप पर एक मनोरम गांव है जो एक लोकप्रिय फिल्म लोकेशन क्षेत्र है।

न्यायिक प्रक्रिया का पालन करने के लिये NGT बाध्य नहीं है, लेकिन प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होगा।
- संरचना -40 सदस्य)20 विशेषज्ञ सदस्य और 20 न्यायिक सदस्य।(

भारतीय पुलिस बल में प्रतिनिधित्व

सन्दर्भ:

- हाल ही में टाटा ट्रस्ट द्वारा जारी इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2022 में विभिन्न संकेतकों के आधार पर भारत में पुलिस बलों की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- रिपोर्ट में पाया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस बलों में स्वीकृत और वास्तविक संख्या के बीच का अंतर रूप चिंताजनक" जनवरी है। "बड़ा से2022 तक, पुलिस में कुल रिक्तियां स्वीकृत शक्ति के 20.3% से बढ़कर 22.1% हो गईं।
- बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में, पश्चिम बंगाल में स्वीकृत शक्ति के 44.1% पर सबसे खराब कांस्टेबल रिक्ति दर थी, जबकि केरल में सबसे अच्छा 4.6% था।
- बिहार में स्वीकृत पदों की तुलना में सबसे अधिक 53.8% पुलिस अधिकारी रिक्तियों का प्रतिशत था।
- कर्नाटक अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए अपने कोटा को पूरा करने वाला एकमात्र
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने दिसंबर 2020 में सभी पुलिस स्टेशनों के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया।
- जनवरी 2022 तक, देश के कुल 17,535 पुलिस थानों में से केवल 73.5% (12,893) में कम से कम एक सीसीटीवी कैमरा लगा था।
- मणिपुर, लक्षद्वीप, और पुडुचेरी ने अपने किसी भी पुलिस थाने में एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाया।

राज्य था, कोई अन्य राज्य शासित केंद्र/ आरक्ष अपने प्रदेशण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रबंधन नहीं कर रहा था।

- हरियाणा ने अपने आरक्षण कोटे में अनुसूचित जाति के पुलिस अधिकारियों के प्रतिशत के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि उत्तर प्रदेश ने सबसे कम प्रदर्शन किया।
- बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में, पुलिस बल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए 33% मानदंड रखने वाला कोई भी राज्य इसे पूरा करने में सफल नहीं हुआ।
- आंध्र प्रदेश (जो कुल पुलिस पदों का 33% महिलाओं के लिए आरक्षित करता है) ने पुलिस में महिलाओं की हिस्सेदारी 21.8% के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि झारखंड केवल 6.2% के साथ सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला था।

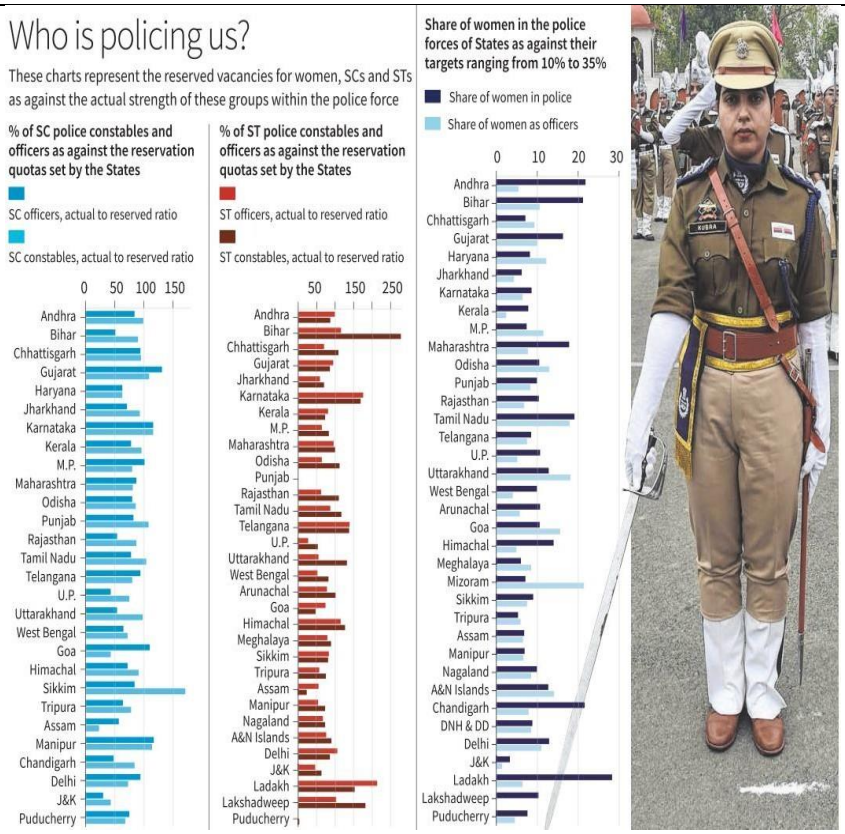

संक्षिप्त सुर्खियां

भारत संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के लिए चुना गया

सन्दर्भ:

- दो दशकों के अंतराल के बाद भारत, संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के लिए चुना गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- चुनाव संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद) ईसीओएसओसी (द्वारा आयोजित एक गुप्त मतदान में 53 मतों में भारत ने दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात और चीन को हराकर 46 मत प्राप्त किए।

- दक्षिण कोरिया ने चीन के साथ ड्रा खेलने के बाद एशिया प्रशांत राज्य श्रेणी में दूसरी सीट जीती। भारत स्वापक औषधि आयोग और एचआईवी पर एड्स/ था। गया चुना भी लिए के बोर्ड समन्वय कार्यक्रम के कार्यक्रम राष्ट्र संयुक्त
- भारत 1 जनवरी, 2024 से चार साल की अवधि के लिए इन पदों पर रहेगा।
- भारत की विशेषज्ञता ने सांख्यिकी, विविधता और जनसांख्यिकी के क्षेत्र व संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में सीट हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- भारत का आधिकारिक सांख्यिकी अनुभव सांख्यिकीय आयोग के कामकाज में एक मूल्यवान अतिरिक्त होगा।

संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय गतिविधियों के लिए सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है, जो सांख्यिकीय मानकों को स्थापित करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके कार्यान्वयन सहित अवधारणाओं और विधियों के विकास के लिए जिम्मेदार है। दुनिया भर के सदस्य राज्यों के मुख्य सांख्यिकीविदों को एक साथ लाने के लिए इस आयोग की स्थापना की गई है।

महत्व:

- भारत का पुनर्निर्वाचन सांख्यिकी, विविधता और जनसांख्यिकी के क्षेत्र में देश की विशेषज्ञता और वैश्विक चुनौतियों के लिए बहुपक्षीय समाधानों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।
- यह इन निकायों में भारत के योगदान और महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने की प्रतिबद्धता में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के भरोसे को दर्शाता है।

हिकिकोमोरी

सन्दर्भ:

- एक सर्वेक्षण के अनुसार हिकिकोमोरी एक जो)सामाजिक घटना है(जापान में तेजी से फैल रही है।

हिकिकोमोरी:

- सर्वेक्षण में पाया गया कि कामकाजी उम्र के लगभग 1.5 मिलियन लोग सामाजिक वैरागी के रूप में रह रहे हैं, जिनमें से लगभग 20% मामले कोविड-19 महामारी के दबाव के कारण हैं। हिकिकोमोरी सामाजिक वापसी की एक घटना है जो जापान में तेजी से प्रचलित हो रही है।
- यह शब्द आमतौर पर युवा वयस्कों को संदर्भित करता है, जो सामाजिक संपर्क से हट जाते हैं और लंबे समय तक, कभी कभी-कई वर्षों के लिए अपने घरों में खुद को अलग कर लेते हैं। हिकिकोमोरी चिंता, अवसाद और सामाजिक भय की भावनाओं से जुड़ा हुआ है, और इसे उच्च शैक्षणिक अपेक्षाओं, तीव्र प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अलगाव सहित आधुनिक समाज के दबावों की प्रतिक्रिया माना जाता है।

फैक्ट चेक बॉडी

सन्दर्भ:

- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधनों को अधिसूचित किया।
- यह संसोधन मंत्रालय को एक 'बॉडी चेक फैक्ट' नियुक्त करने की अनुमति देता है जो यह तय करेगा कि केंद्र सरकार से संबंधित ऑनलाइन जानकारी सही है या नहीं।

मुख्य विशेषताएं:

- फैक्ट चेक बॉडी, फेसबुक और ट्विटर जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सरकार से संबंधित सामग्री को में रूप के "भ्रामक" या "नकली"सूचित करेगा।
- इस निकाय द्वारा चिह्नित सामग्री को ऑनलाइन बिचौलियों द्वारा हटाया जाना होगा यदि वे अपने 'सेफ हारबर 'को बनाए रखना चाहते हैं, जो कानूनी प्रतिरक्षा है जो वे तीसरे पक्ष की सामग्री के विरुद्ध प्राप्त करते हैं।
- सोशल मीडिया साइटों को ऐसे पोस्ट हटाने होंगे और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को ऐसी सामग्री के यूआरएल को ब्लॉक करना होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन

सन्दर्भ:

- 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाई।
- WHO हर साल अपनी स्थापना की तारीख 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य

(डब्ल्यूएचओ)

दिवस के रूप में मनाता है।

डब्ल्यूएचओ के बारे में:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जिम्मेदार अंतर्राष्ट्रीय निकाय है।
- WHO की स्थापना 1948 में की गयी थी तथा यह संयुक्त राष्ट्र के भाग के रूप में जाना जाता है, ।
- यह स्वास्थ्य नीति और योजना के कई पहलुओं में शामिल है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
- यह एक अंतर है संगठन सरकारी-जो आमतौर पर स्वास्थ्य मंत्रालयों के माध्यम से अपने सदस्य राज्यों के सहयोग से काम करता है।
- इसके 194 सदस्य देश के 150 देशों में कार्यालय तथा 6 क्षेत्रीय)regional (कार्यालय हैं।
- WHO विश्व स्वास्थ्य सभा के माध्यम से कार्य संचालित करता है।
- यह असेंबली द्वारा तीन साल के लिए चुने गए स्वास्थ्य विशेषज्ञों के एक कार्यकारी बोर्ड के माध्यम से यह सालाना आम नीति में रूप के निकाय निर्माण- है। मिलता
- एजेंसी को मुख्य रूप से भुगतान करने की सापेक्ष क्षमता के आधार पर अन्य सदस्य देशों द्वारा किए गए वार्षिक योगदान से वित्तपोषित किया जाता है।
- **उपलब्धियां:** यह चेचक के वैश्विक उन्मूलन में सहायक था, जो दुनिया की सबसे बड़ी बीमारी के रूप में हुआ करता था।
- इसने एक अभियान भी चलाया है जिसने लगभग पोलियो के उन्मूलन को हासिल कर लिया है और मलेरिया से खतरे को कम करने के लिए दशकों तक काम किया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा)NCF)

सन्दर्भ:

- शिक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक सिफारिशों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा है किया जारी ड्राफ्ट-प्री का (एनसीएफ), जिसे अगले दौर की चर्चाओं के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा।

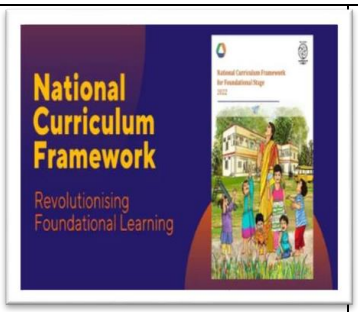

मुख्य विशेषताएं:

- NCF)जिसे अंतिम बार 2005 में संशोधित किया गया था(एक प्रमुख दस्तावेज है जिसके आधार पर पाठ्यपुस्तकें तैयार की जाती हैं।
- इसलिए एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों का मौजूदा सेट, विलोपन को छोड़कर, सभी एनसीएफ 2005 पर आधारित हैं। 2005 से पहले, एनसीएफ को तीन बार संशोधित किया गया था।
- नवीनतम संशोधन के तहत (जो सितंबर 2021 से चल रहा है) प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा और स्कूली शिक्षा पर मसौदा रूपरेखा पहले ही तैयार की जा चुकी है, जबकि शिक्षक और वयस्क शिक्षा पर काम चल रहा है।
- पाठ्यपुस्तकों के अलावा, NCF, CBSE और अन्य राज्य बोर्डों द्वारा अपनाए जाने के बाद, कक्षा के विभिन्न अन्य पहलुओं को भी पुनर्गठित करेगा, जिसमें विषयों की पसंद, शिक्षण का पैटर्न और मूल्यांकन शामिल है।
- हाल ही में सरकार ने घोषणा की थी कि 2024-25 के शैक्षणिक सत्र से स्कूलों में संशोधित एनसीएफ पर आधारित पाठ्यपुस्तकों को पढ़ाया जाएगा।

एक्वाकल्चर अथॉरिटी (संशोधन) विधेयक

सन्दर्भ:

- हाल ही में सरकार ने तटीय जलीय कृषि प्राधिकरण) संशोधन (विधेयक, 2023 पेश किया।

मुख्य विशेषताएं:

- यह बिल एक प्रस्तावित कानून है, जो कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी एक्ट, 2005 के प्रावधानों में संशोधन करने की मांग करता है, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दिया जा सके और कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी की परिचालन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाया जा सके।
- यह बिल तटीय जलीय कृषि की परिभाषा को विस्तृत करता है जिसका उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल तटीय जलीय कृषि के नए रूपों को बढ़ावा देना है।
- यह तटीय एक्वाकल्चर इकाई के भीतर हानिकारक जीवों को शुरू करने या फैलाने के जोखिम को प्रबंधित करने और रोकने के लिए जैव सुरक्षा के लिए नए प्रावधान पेश करता है।

- तटीय क्षेत्रों में तटीय जलकृषि से जुड़ी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए तटीय जलकृषि प्राधिकरण अधिनियम, 2005 को तटीय जलकृषि प्राधिकरण की स्थापना के लिए अधिनियमित किया गया था।
- तटीय जलकृषि प्राधिकरण अधिनियम, 2005 के तहत दंड और दंड को संशोधन विधेयक के तहत गैरहै। गया किया प्रस्ताव का करने अपराधीकृत-

स्यूडोमोनास एरुगिनोसा

सन्दर्भ:

- संयुक्त राज्य अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र चेन्नई द्वारा (सीडीसी) प्रतिरोधी दवा अत्यधिक को बूंदों की आंखों की हेल्थकेयर फार्मा ग्लोबल स्थित बैक्टीरिया स्यूडोमोनास एरुजिनोसा की संभावना से जोड़ने के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उन नमूनों को 'मानक गुणवत्ता' वाला पाया। '

स्यूडोमोनास एरुजिनोसा के बारे में:

- स्यूडोमोनास एक प्रकार का बैक्टीरिया पर्यावरण पर आमतौर जो है (रोगाणु) जैसे मिट्टी और पानी में पाया जाता है।
- स्यूडोमोनास के कई अलगसे में प्रकारों अलग-, जो मनुष्यों में सबसे अधिक बार संक्रमण का कारण बनता है, उसे स्यूडोमोनास एरुगिनोसा कहा जाता है, जो सर्जरी के बाद रक्त, फेफड़े (निमोनिया), या शरीर के अन्य भागों में संक्रमण का कारण बन सकता है।
- ये बैक्टीरिया अपने कारण होने वाले संक्रमणों के इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले एंटीबायोटिक दवाओं के प्रभाव से बचने के लिए लगातार नए तरीके खोज रहे हैं।
    - एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब होता है जब रोगाणु उन्हें मारने के लिए तैयार की गई एंटीबायोटिक दवाओं को हराने की क्षमता विकसित कर लेते हैं।
    - यदि वे कई प्रकार के एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं, तो ये रोगाणु बहुऔषधहैं। सकते बन प्रतिरोधी-
- में 2017, मल्टीड्रग भर्ती में अस्पताल ने एरुजिनोसा स्यूडोमोनास प्रतिरोधी-32 अनुमानित बीच के मरीजों,2 में राज्य संयुक्त और संक्रमणों 600, 700 बना। कारण का मौतों अनुमानित

- सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों में अस्पतालों के मरीज़ शामिल हैं, विशेष रूप से वे:
  - जो श्वास मशीनों पर (वेंटिलेटर) हैं।
  - जो कैथेटर जैसे उपकरणों के साथ हैं।
  - जिनकी सर्जरी या जलने से घाव हो गए हैं।

रेपो दर

सन्दर्भ:

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2023-24 में अपनी पहली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में, प्रमुख बेंचमार्क ब्याज दर रेपो दर में कोई बदलाव का फैसला लेते हुए उसे 6.5 प्रतिशत रखा।

रेपो दर क्या है?

- रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर किसी देश का केंद्रीय बैंक) भारत के मामले में, भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक (बैंकों को धन उधार देता है।
- जब आरबीआई बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाना चाहता है तो वह रेपो दर को कम कर देता है, जिससे बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से पैसा उधार लेना आसन हो जाता है।
- यह बदले में बैंकों को अधिक उधार लेने और उपभोक्ताओं और व्यवसायों को अधिक उधार देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो आर्थिक विकास को प्रोत्साहित कर सकता है।
- इसके विपरीत, जब आरबीआई बैंकिंग प्रणाली में तरलता को कम करना चाहता है, तो यह रेपो दर को बढ़ाता है, जिससे बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से पैसा उधार लेना अधिक महंगा हो जाता है, जो मुद्रास्फीति के दबाव को धीमा कर सकता है।
- रेपो दर केंद्रीय बैंक के प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है:
  - मुद्रास्फीति,
  - आर्थिक विकास,
  - वित्तीय स्थिरता।

कैनबिस की खेती

सन्दर्भ:

- हाल ही में हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने राज्य में भांग की खेती को वैध बनाने के लिए विधायकों की एक समिति गठित की है।

मुख्य विशेषताएं:

- औषधीय, मनोरंजक और आध्यात्मिक सहित विभिन्न प्रयोजनों के लिए हजारों वर्षों से भांग का उपयोग किया जाता रहा है।
- इन पौधे में सौ से अधिक रासायनिक यौगिक होते हैं, जिन्हें कैनबिनोइड्स के रूप में जाना जाता है, इनमें से सबसे प्रमुख THC (टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल और (CBD (कैनाबिडियोलहैं। (
- भांग को औषधीय रूप से पुराने दर्द, मतली, चिंता और दौरे जैसी विभिन्न स्थितियों के इलाज के लिए संभावित लाभ के रूप में प्रयोग किया गया है।
- यह कुछ मामलों में भूख और नींद में सुधार करने में भी मदद कर सकता है।
- **नोट:** उत्तराखंड द्वारा भांग की खेती को वैध करने के बाद हरियाणा और जम्मू राज्य अन्य कश्मीर-भी भांग की खेती को वैध करने की नीति है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare